4th Year (Eight Semester) Painting

eClass by: Dr. Rita Sharma

Assistance Professor Panting

Department of Painting (BFA)

College of Arts and Craft (PU)

Paper II Method and Material- Theory Subject

Unit 2 b (Archive color Harmony)

रंगो की संगती (Harmony color) रंगो को अपूटन और आकर्षक मेल को जोकि रुचिकर होता है, रंगो की संगती (Harmony) कहते हैं ! रंगो का प्रयोग वस्तुओं को आकर्षक बनाने के लिए किया जाता है ! इसलिए वस्तुओं को रुचिकर एवं आकर्षक बनाने के लिए रंगो की प्रसिंगिकता का अत्यंत महत्त्व है !

संगती के प्रकार (kinds of colour harmony) रंगो के प्रयोग के लिए रंगो का समुचित ज्ञान प्रपात करना जरूरी है ! इसके अनेक सिद्धांत हैं ! कला के मुख्या रूप से छः प्रकार की संगतियाँ है जो निम्न है :

(१) विरोधी रंगो की संगती (Opposite color Harmony)

(२) सामान रंगो की संगती (Analogus Harmony)

(३) मध्यवर्ती रंगो की संगती (Intermediary Harmony)

(४) संकाकी रंगो की संगती (Monochromatic Harmony)

(५) मंदमूत रंगो की संगती (Subdued Harmony)

(६) उन्नत रंगो की संगती (Advance Harmony)